भजनावली भाग – २

निजानंद सम्प्रदाय (प्रणामी समाज)
पानीपत, हरियाणा

॥ श्री राज परमात्मने नमः ॥ श्री सतगुरु चरण कमलेभ्यो नमः ॥

“निजानंद सम्प्रदाय”

॥ श्री राज श्यामा जी सदा सहाय ॥

भजनावली भाग – 2

प्रकाशक :

श्री राज आत्म कायमी पीठ यूटयूब चैनल

पानीपत, हरियाणा

BHAJNAWLI BHAG - 2

First Edition : 2018

Second Edition : 2019

1000 copies

PRINTING :

Shri Raj Aatm Kaymi Peeth Offset printing

Panipat, Hry

PUBLISHER :

SHRI RAJ AATM KAYMI PEETH YOUTUBE CHANNEL

PANIPAT, HARYANA

भजनावली भाग – 2

प्रथम संस्करण : २०१८

द्वितीय संस्करण : २०१९
शाका : ३४२
निजानन्दाब्ध : ४३९

१००० प्रतियाँ

लिपि सज्जा एवं मुद्रक :
श्री राज आत्म कायमी पीठ ओफ़्सेट प्रिंटिंग कार्यालय
पानीपत, हरियाणा

न्योछावरी : नि:शुल्क

श्री राज आत्म कायमी पीठ यूट्यूब चैनल
पानीपत, हरियाणा

निवेदन

“भजन बिना सब नरक है, पचि पचि मरिए माहीं”

प्रिय सुंदरसाथ जी पूर्ण ब्रह्म सच्चिदानंद श्री राज श्यामा जी को सदा प्रसन्न कर उनकी पूर्ण कृपा पाने का एकमात्र प्रमुख साधन रहनी है। परमधाम की रहनी का अवलोकन करने करने वाली ब्रह्म – आत्माएं सदा अपने श्री राज श्यामा जी के नाम का हृदय से गुणगान करती रहती हैं।

इसलिए परम श्रद्धालु सुंदरसाथ जी की सुविधा के लिए भजनावली भाग २ के रूप में एकत्रित किये गये कुछ प्रमुख भजन इस छोटे पुस्तकीय आकर के रूप में प्रकाशित कर आपकी सेवा में प्रस्तुत कर हम आशा करते हैं कि आप यथा समय और विशेष रूप से इससे लाभ उठाएंगे और इसकी पवित्रता सुरक्षित रखेंगे। पवित्रता के साथ नित्य ही सब परिस्थितियों में इसका सेवन करें। श्री राज जी महाराज आपकी निज पथ की मनोकामनाएं पूर्ण करेंगे।

अनुक्रमाणिका

क्रम.	भजन	पृष्ठ संख्या
1.	दर तेरे बिगड़ी बनाने आ गये	1
2.	कई जन्मों से बुला रहे हो	1
3.	नक्शा तेरा दिलकश है, सूरत तेरी प्यारी है	2
4.	छुप छुप के मत बैठो रे पिया जी	3
5.	क्या मांगू श्री राज मैं तुमसे क्या मांगू	3
6.	तुम्हारे हार के मोती, यहां छन छन के हैं आऐ	4
7.	जल्वों को तेरे याद हम, करते हैं आज भी	5
8.	पिया बोल मेरी आत्म धनी धनी	5
9.	तुम ही तुम हो हमारी नजर में	6
10.	इतने करीब आके क्यों दूर जा रहे हो	7
11.	कोई आया बैठा है द्वारे	7
12.	आपने अपना बनाया मेहरबानी आपकी	8
13.	सखी री मैं तो प्रीतम के घर जाऊं	9
14.	तेरा दर्श पाने को जी चाहता है	10
15.	अगर भूले से दर्शन आपका पिया राज	10
16.	ओ दयालु कर दया मुझ दीन पर	11

क्रम.	भजन	पृष्ठ संख्या
17.	वह मोहन बांसुरी वाला	11
18.	कैसा बना दिया है, तुमने मेरी नजर को	12
19.	जो दे दे सहारा वो दर ढूंढते हैं	13
20.	छाप तिलक सब छीनी रे	13
21.	अर्श की खिलवत भुलाकर	14
22.	तुम्हे पाके हमने जहाँ पा लिया है	15
23.	अगर प्रेम की इस दिल में	16
24.	लगन तुमसे लगा बैठे	17
25.	श्री राज कसम तेरे चरणों की	18
26.	सामने बैठकर ए हजूर आपका दीदार	18
27.	अपना बना के तूने एहसान कर दिया है	19
28.	पी पास आओ, मेरा दिल उदास है	20
29.	नजर से मिला करके नजर चूम लेंगे	21
30.	हो गये जिन पे होना था आशिक हमे	21
31.	सब जहानों में तुझसा ना बढकर कोई	22
32.	ये कैसी कसक तूने मेरे दिल को लगा दी है	23
33.	यूं तो लाखों हसीन हमने देखे	23
34.	तेरा सतगुरु करेंगे बेडा पार	24

1. दर तेरे बिगड़ी बनाने आ गये

दर तेरे बिगड़ी बनाने आ गये। हम भी अपना सर झुकाने आ गए ॥

हम गुनाहों के भंवर मे फंस गये। डूबती नैया बचाने आ गये ॥ **1**
दर तेरे बिगड़ी बनाने.... ॥

हम गुनहगारों को अब तो बख्श दो। इसलिए दामन फैलाने आ गए ॥ **2**
दर तेरे बिगड़ी बनाने.... ॥

हमने माना भूल हमसे हो गई। छुप नहीं पाए दिखाने आ गए ॥ **3**
दर तेरे बिगड़ी बनाने.... ॥

फैसला अब हाथ है आपके। हम तो जो कुछ है बताने आ गए ॥ **4**
दर तेरे बिगड़ी बनाने.... ॥

देखकर जलवा तेरे इस नूर का। सिर के बल हम सर झुकाने आ गए ॥ **5**

दर तेरे बिगड़ी बनाने आगये। हम भी अपना सर झुकाने आ गए ॥...

★ ★ ★ ★ ★ ★ ★ ★

2. कई जन्मों से बुला रहे हो

कई जन्मों से बुला रहे हो, कोई तो रिश्ता जरूर होगा ॥
नजरों से नजरें मिला ना पाई, मेरी नजर का कसूर होगा ॥

दिल में समा गई तस्वीर तेरी, दिल मेरा बन गया जागीर तेरी।
तुम ही मेरे प्रीतम मैं तेरी अंगना, रिश्ता निभाना जरूर होगा ॥ **1**
कई जन्मों से बुला रहे हो.... ॥

तुम ही तो मेरे असली पिया हो, नकली में तुमने भेजा है हमको।
मुश्किल से तुम्हें पहचान पाए, धाम ले जाना जरूर होगा ॥ **2**
कई जन्मों से बुला रहे हो.... ॥

तुम ही तो मेरी आत्मा हो, तुम ही तो मेरे परमात्मा हो।
मुझे में रहकर मुझे से पर्दा , पर्दा हटाना जरूर होगा ॥ **3**
कई जन्मों से बुला रहे हो.... ॥

सतगुरु बनके पिया यहां आए, अंगनाओ के दिल में समाए।
कितने ही रिश्ते जुड़े हैं तुमसे, कोई तो रिश्ता खसुल खास होगा ॥ **4**
कई जन्मों से बुला रहे हो। कोई तो रिश्ता जरूर होगा ॥

★ ★ ★ ★ ★ ★ ★ ★

3. नक्शा तेरा दिलकश है, सूरत तेरी प्यारी है

नक्शा तेरा दिलकश है, सूरत तेरी प्यारी है।
जिसने भी तुम्हे देखा, वह जान से वारी है ॥

क्या पेश करूं तुमको, क्या चीज हमारी है।
यह दिल भी तुम्हारा है ,यह जान भी तुम्हारी है ॥ **1**
नक्शा तेरा दिलकश है.....॥

तस्वीर तेरी हमने, इस दिल में उतारी है।
सौ आईने तोड़े हैं , तब जाकर संवारी है ॥ **2**
नक्शा तेरा दिलकश है.....॥

साये में तेरे हमने, यह जीवन बिताया है।
अब जाकर तुम्हें प्रीतम, हमने यहां पाया है ॥ **3**
नक्शा तेरा दिलकश है.....॥

इस सुंदर चोले में, श्रीजी आप विराजे हैं।
पहचान ना की हमने, यह तो गलती हमारी है ॥ **4**
नक्शा तेरा दिलकश है, सूरत तेरी प्यारी है।
जिसने भी तुम्हें देखा वह तो जान से वारी है ॥
अब ले भी चलो प्रीतम, क्यों देर लगाई है.....

★ ★ ★ ★ ★ ★ ★ ★

4. छुप छुप के मत बैठो रे पिया जी

छुप छुप के मत बैठो रे पिया जी। अब तो प्रगट हो जाओ जी ॥

सोना सोना मुखड़ा, तनिक देखन दो। चेहरे से पर्दा हटाओ जी ॥ **1**
छुप छुप कर मत बैठो....॥

मीठी मीठी बत्तियां, हमें करने दो। पिया अब ना चुप कराओ जी ॥ **2**
छुप छुप कर मत बैठो....॥

अब तक छुपे हो, अब ना छुपोगे।
रोको ना हमको ,हमें कहने दो। ताले न लब पे लगाओ जी ॥ **3**
छुप छुप कर मत बैठो....॥

पर्दे में तुमको ना अब रहने दे।
जाहिर करेंगे ना अब छुपने दें। दर्शन तो रूह को कराओ जी ॥ **4**
छुप छुप के मत बैठो रे पिया जी। अब तो प्रगट हो जाओ जी ॥

★ ★ ★ ★ ★ ★ ★ ★

5. क्या मांगू श्रीराज मैं तुमसे क्या मांगू

क्या मांगू श्रीराज मैं तुमसे क्या मांगू, मेरे रोम रोम में बस जाओ।
ऐ मेरे महाराज, मैं तुमसे क्या मांगू ॥

धन न मांगू माल न मांगू, झूठी झूठी शान न मांगू।
देना हो तो दे दो प्रीतम .जपने को निज नाम, मैं तुमसे क्या मांगू ॥ **1**
क्या मांगू श्रीराज मैं.....

मांग के झूठा खेल पसारा, भूल गई निजधाम प्यारा।
भटक रही तेरी दर-दर अंगना, दर्शन दो महाराज, मैं तुमसे क्या मांगू ॥ **2**

क्या मांगू श्रीराज मैं.....

अपनी मान राख प्रभु लिजो, श्रद्धा प्रेम और भक्ति दीजो।
जन्म-जन्म की दुखियारी का, राज करो कल्याण, मैं तुमसे क्या मांगू॥ **3**
क्या मांगू श्री राज ,मेरे महाराज, मेरे भरतार ,मैं तुमसे क्या मांगू॥

★★★★★★★★

6. तुम्हारे हार के मोती, यहां छन छन के हैं आए

तुम्हारे हार के मोती, यहां छन छन के हैं आए।
पिरोलो पक्के धागे में, कहीं फिर से ना बिखर जाए॥

पड़े हैं रेत की ढेर में, अब भी पडे टूटे हुए मोती।
तुम्हारी आंख के तारे, तुम्हारी आंख की ज्योति।
पिया कृपा के साए में, तुम्हारे आज हैं आए॥**1**
तुम्हारे हार के मोती....॥

तुम्हारा स्वर सुना जिसने भी, मिलने की तड़प उठी।
थी प्यासी दीद की आत्म, को व्याकुल से भड़क उठी।
उठी रुहे निकल तन से , तनिक हम पास हैं आए॥ **2**
तुम्हारे धाम के मोती....॥

रहे चरणों में तेरे ही, पिया ऐसी कृपा कर दो।
टूट जाए बंधे बंधन, पिया ऐसा यतन कर दो।
मुर्दे उठे हुए आत्म , बड़ी मुद्दत से हैं आए॥ **3**
तुम्हारे हार के मोती....॥

★★★★★★★★

7. जल्वों को तेरे याद हम, करते हैं आज भी

जल्वों को तेरे याद हम, करते हैं आज भी।
आरजू तेरा दीदार हम, करते हैं आज भी॥

मुद्दत हुई है मेहरबान, तुमसे जुदा हुए।
तुम पास हो यह ऐतबार, करते हैं आज भी॥ **1**
जल्वोको तेरे याद हम करते....॥

कल भी तो तेरी याद में, रोए थे जार जार।
आंखों से अश्क बार बार, निकले हैं आज भी ॥ **2**
जल्वों को तेरे याद हम....॥

तुमसे बिछड़ के नींद ना, आई तमाम रात।
तेरे ख्याल हमको, जगाते हैं आज भी॥ **3**
जल्वों को तेरी याद हम....॥

जो गुफ्तगू हुई थी कभी, तेरे मेरे बीच में।
उस गुफ्तगू को याद हम, करते हैं आज भी॥ **4**
जल्वों को तेरे याद हम, करते हैं आज भी।
आरजू तेरा दीदार हम, करते हैं आज भी॥

★★★★★★★★

8. पिया बोल मेरी आत्म धनी धनी

पिया बोल मेरी आत्म धनी धनी।
धनी धनी बोल धनी धनी॥
धनी धनी बोल धनी धनी॥

भूल गई क्या तू अपने को। इस खोखे में पड़ी पड़ी॥ **1**
पिया बोल मेरी आतम धनी धनी॥..

पिया पिया करो जितना कर सकती। सांस सांस हर लड़ी लड़ी ॥ **2**
पिया बोल मेरी आतम धनी धनी ॥..

जाग उठी तेरी धुन सुनकर। इस काया की कड़ी कड़ी ॥ **3**
पिया बोल मेरी आतम धनी धनी ॥..

बरसा दो पिया नाम सुधा रस। ज्यों भादों की सरस झड़ी। **4**
पिया बोल मेरी आतम धनी धनी ॥..

★ ★ ★ ★ ★ ★ ★ ★

9. तुम ही तुम हो हमारी नजर में

तुम ही तुम हो हमारी नजर में, ये हकीकत है धोखा नहीं है।
आकर खुद देख लो दिल के भीतर, आप से कोई पर्दा नहीं है॥

सैकड़ों बार प्यासी नजर ने, रूहों ने प्रीतम पुकारा।
ऐसे बैठे हैं चुपचाप जैसे, आपको कुछ भी सुनता नहीं है ॥ **1**
तुम ही तुम हो हमारी नजर...॥

आप ही घर से बाहर हो मालिक, अब ऐसा संदेशा मिला है।
दिल धड़कता है जाने किधर हो, अपनी आंखों से दिखता नहीं है ॥ **2**
तुम ही तुम हो हमारी नजर...॥

बहके बहके है तेरे दीवाने, रहा पर हो सके तो लगा ले।
जिसको देखो अजब हाल में है, एक की एक सुनता नहीं है ॥ **3**
तुम ही तुम हो हमारी नजर ...॥

★ ★ ★ ★ ★ ★ ★ ★

10. इतने करीब आकर, क्यों दूर जा रहे हो

इतने करीब आकर, क्यों दूर जा रहे हो ।
एक आग सी लगा कर, क्यों दूर जा रहे हो ॥

बिखरी पड़ी है खुशियां, यहां पे कदम कदम पर।
वह रास्ते दिखा कर, क्यों मुस्कुरा रहे हो ॥ **1**
इतने करीब आकर, क्यों दूर....॥

जिन कदमों में झुककर, झुकते नसीब वाले,
उन कदमों को छुड़ाकर, क्यों दूर जा रहे हो ॥ **2**
इतने करीब आकर, क्यों दूर.....॥

फुर्सत की रात आंसू, बनकर ढलक रही है।
एक प्यास सी लगाकर, खुद मुसकुरा रहे हो ॥ **3**
इतने करीब आकर, क्यों दूर.....॥

यह वक्त बदल न जाए, मौसम बदल ना जाए।
दीवानगी बढ़ा कर क्यों, दूर जा रहे हो ॥ **4**
इतने करीब आकर क्यों दूर जा रहे.....॥

क्या बात है पिया जी क्यों मुस्कुरा रहे हो

इतने करीब आकर, क्यों दूर जा रहे हो ।
एक आग सी लगाकर, क्यों दूर जा रहे हो ॥

★ ★ ★ ★ ★ ★ ★ ★

11. कोई आया बैठा है द्वारे

कोई आया बैठा है द्वारे, प्रीतम का संदेश लिए ॥

आँख न जाने दिल पहचाने, सूरतिया कुछ ऐसी।
याद करूं तो याद ना आए, मूरतिया कुछ ऐसी।

लगता है चोले में जैसे, हो पी का आवेश लिए ॥ **1**
कोई आया बैठा है द्वारे....॥

एक पल सोचूं पी की छवि, यह भेष बदलकर आई ।
दूजे पल फिर डर चढ़ता है, हो न कहीं परछाई ।
चहूँ दिश फिरती रहती है , जो मेरा दुख और क्लेश लिए ॥ **2**
कोई आया बैठा है द्वारे....॥

छवि लखती हूं जब इनकी,प्राणों में कंपन हो जाता ।
पिया पिया उच्चारण जाने, मन करने लग जाता ।
हिरदे गा उठता पी है, पगले.. पिया का भेष लिए ॥ **3**
कोई आया बैठा है द्वारे....॥

पिया चतुर मै मूर्ख नारी , पति निद्रावत बिछड़ाया ।
याद दिलाया जब आकर के, मेरा मुझको याद आया ।
अब अपना अपनों में बैठा , है अपना निर्देश लिए ॥ **4**
कोई आया बैठा है द्वारे, प्रीतम का संदेश लिए ॥

★★★★★★★★

12. आपने अपना बनाया मेहरबानी आपकी

आपने अपना बनाया मेहरबानी आपकी ।
हम तो इस काबिल न थे , कदरदानी(यां) आपकी ॥
अपने चरणों से लगाया, मेहरबानी आपकी ॥

क्यों ना चाहूं मैं इस दिल को, जिसने चाहा आपको ।
ये तो मेरा दिल है, प्रीतम बस निशानी आपकी ॥ **1**
आपने अपना बनाया...।

जर्रे जर्रे में प्रभु जी, तेरा ही इक रुप है ।
बहते दरिया में प्रभुजी, है रवानी आपकी ॥ **2**

आपने अपना बनाया....।

हम ना भूलेंगे कभी, एहसान तेरा ओ पिया।
हर जुबान पर आज पिया जी, है कहानी आपकी ॥ **3**
आपने अपना बनाया....।

मेरी कमियों का प्रभुजी, दाता जी कोई अन्त नहीं।
मेरे अवगुणों को, भुला दो, मेहरबानी आपकी ॥ **4**
आपने अपना बनाया....।

कांच को हीरा बनाया , कदरदानियां आपकी।
आपने अपना बनाया, मेहरबानी आपकी।

★ ★ ★ ★ ★ ★ ★ ★

13. सखी री मै तो प्रीतम के घर जाऊं

सखी री मै तो प्रीतम के घर जाऊं।
बैय्या डाल गले सब मिल लो।
फिर कभी भी ना आऊं,मैं प्रीतम के घर जाऊं ॥

मोहनी सूरत शान निराली, उज्जवल गोर है सन्मुख लाली।
अपने पिया पर बलि बलि जाऊं , क्यों दिल में घबराऊं। **1**
सखी री मै तो प्रीतम के घर जाऊं।

कितनी उज्जवल मोरी चुनरिया, औढ चली में तो पी की नगरिया।
देख के प्रीतम रीझ उठेंगे, मन ही मन शरमाऊं ॥ **2**
सखी री मै तो प्रीतम के घर जाऊं।

बट भूषण से अंग सवारूं, लाज का कजरा नैनों में डालूं ।
जिन नेनो में पिया बसत हैं, दूजे किसे बसाउं ॥ **3**

सखी री मै तो प्रीतम के घर जाऊं..... ।

★ ★ ★ ★ ★ ★ ★ ★

14. तेरा दर्श पाने को जी चाहता है

तेरा दर्श पाने को जी चाहता है। खुदी को मिटाने को जी चाहता है॥

तेरे नाम की जो बहती है गंगा। मेरा डूब जाने को जी चाहता है॥ **1**
तेरा दर्श पाने को....॥
दिल चाहता है तुझसे मिलकर न बिछड़ू। तेरे पास रहने को जी चाहता है॥ **2**
तेरा दर्श पाने को....॥
जब से देखी तेरी मोहनी सूरत। दिल में छुपाने को जी चाहता है॥ **3**
तेरा दर्श पाने को....॥
खो जाऊं तेरे प्यार में ऐसे। कि सब भूल जाने को जी चाहता है ॥ **4**
तेरा दर्श पाने को....॥
पिला दो मुझे पिया मस्ती के प्याले। की मस्ती में रहने को जी चाहता है॥ **5**
तेरा दर्श पाने को....॥
न ठुकराओ मेरी फरियाद अब तुम। तुझी में समाने को जी चाहता है॥ **6**
तेरा दर्श पाने को....॥
यह दुनिया है एक नजर का धोखा। इसे भूल जाने को जी चाहता है ॥ **7**
तेरा दर्श पाने को जी चाहता है ..॥

★★★★★★★★★

15. अगर भूले से दर्शन आपका पिया राज

अगर भूले से दर्शन आपका पिया राज हो जाता।
मैं चरणों से लिपट कर के, गले का हार हो जाता॥

छुपे हो व्यर्थ पर्दे में, निकल कर सामने आओ।
तुम्हारा पर्दा हट जाता, हमें दीदार हो जाता ॥ **1**
अगर भूले से दर्शन आपका....॥

जला देने के काबिल है, फानी माया की दुनिया।
तुम्हारी एक करुणा से, मेरा उद्धार हो जाता ॥ **2**

अगर भूले से दर्शन आपका....॥

किये है पाप बहुतेरे, मगर इतना समझता हूं।
तुम्हारी एक ठोकर से, मेरा कल्याण हो जाता ॥ **3**
अगर भूले से दर्शन आपका....॥

★ ★ ★ ★ ★ ★ ★ ★

16. ओ दयालु कर दया मुझ दीन पर

ओ दयालु कर दया मुझ दीन पर।
कब से तरसे तेरे दर्शन को नजर ॥

तेरे घर मे है कमी किस बात की।
फिर मुझे तुम क्यों फिराते दर से दर ॥ **1**
ओ दयालु कर दया....॥

भूल क्या मुझसे हुई यह तो बता।
भूल कर हो भी गई तो माफ कर ॥ **2**
ओ दयालु कर दया मुझ....॥

आशा लेकर आया हूं दरबार में।
दर्श देना दास अपना जानकर ॥ **3**
ओ दयालु कर दया.....॥

★ ★ ★ ★ ★ ★ ★ ★

17. वह मोहन बांसुरी वाला

वह मोहन बांसुरी वाला, मुझे हरदम बुलाता है।
वह मीठी तान बंसी की सुनाकर के लुभाता है ॥

रहा ना होश कुछ मुझको, कहां हूं मैं कहां देखूं।

निकल घर से पडी एकदम, न घर मुझको सुहाता है ॥ **1**
वह मोहन बांसुरी वाला....॥

बिलोकर के दही का मक्खन, निकाला जब तो यह सोचा ।
अगर खा जाए मनमोहन, तो देखूं कैसे खाता है ॥ **2**
वह मोहन बांसुरी वाला....॥

किया जब याद प्रेमी ने, उसी दम आ गए मोहन ।
बचाकर आंख प्रेमी की मोहन, माखन को खाता है ॥ **3**
वह मोहन बांसुरी वाला, मुझे हरदम बुलाता है .....॥

★ ★ ★ ★ ★ ★ ★ ★

18. कैसा बना दिया है, तुमने मेरी नजर को

कैसा बना दिया है, तुमने मेरी नजर को ।
सजदा सिखा दिया है, तुमने मेरी नजर को ॥

पहले तो शर्म से ही, खामोश रही नजरें ।
अब कहने लगी कुछ कुछ, नजरें मेरी नजर को ॥ **1**
कैसा बना दिया है तुमने मेरी नजर को..

पहले तो चूमती थी, पर्दे को मैं नजर से ।
अब चूमने लगा है, पर्दा मेरी नजर को ॥ **2**
कैसा बना दिया है तुमने मेरी नजर को..

ना जीने की आरजू है, ना जान की तमन्ना ।
देखा है जबसे तेरी, उल्फत भरी नजर को ॥ **3**
कैसा बना दिया तुमने मेरी..

धोखे बहुत दिए हैं, तुमने मेरी नजर को ।
धोखा ना दे सकोगे, अब तुम मेरी नजर को ॥ **4**
कैसा बना दिया है तुमने मेरी..

प्रणाम करके तुमको, जब घर को लौटती हूं।
मुड़ मुड़ के देखता है, प्रीतम मेरी नजर को ॥ **5**
कैसा बना दिया है, तुमने मेरी नजर को।
सजदा सिखा दिया है, तुमने मेरी नजर को ॥

★ ★ ★ ★ ★ ★ ★ ★

19. जो दे दे सहारा वो दर ढूंढते हैं

जो दे दे सहारा वो दर ढूंढते हैं। किसी मेहेरबां की नजर ढूंढते हैं ॥

सदा हमने दी है तुम्हारी गली मे, गले से लगा लो बुरी या भली मैं।
परेशां हूं जब से घर से चली मैं , तुम्हें दिल वरों जिगर ढूंढते हैं ॥ **1**
जो दे दे सहारा वो दर ढूंढते....॥

सुना है ख़ुदा आज मेहरबानी यही है, जो उतरे थे पहले खुदा भी वही है।
सभी बातें कुलजम ने हमसे कहीं है, जिधर है ख़ुदा हम उधर ढूंढते हैं ॥ **2**
जो दे दे सहारा वोदर ढूंढ़ते....॥

नसीबो से नजदीक आए हैं मालिक, यकीनो की रहमत से पाएंगे मालिक।
अगर इश्क है तो उठाएंगे मालिक, दूल्हा यही उसका दर भी यही है ॥ **3**
जो दे दे सहारा वो दर ढूंढते हैं। किसी मेहेरबां की नजर ढूंढते हैं ॥

★ ★ ★ ★ ★ ★ ★ ★

20. छाप तिलक सब छीनी रे

छाप तिलक सब छीनी रे, मोसे नैना मिलाइके।
मतवाली कर दीनी, मुझसे नैना मिलाइके ॥

बलि बलि जाऊं तोहे, ओ रंग रजवा.. ओ रंग रजवा।
अपनी सी रंग दीनी, रे मोसे नैना मिलाइके ॥ **1**
छाप तिलक सब.... ॥

प्रेम पुरी का, मधुवा पिलाई के.. मधुवा पिलाई के ।
मतवाली कर दीनी, रे मौसे नैना मिलाइके ॥ **2**
छाप तिलक सब..... ॥

पिया कहूं तोहे, या सतगुरु वा.. मेरे सतगुरु वा ।
मोहे सुहागन कीनी, रे मोसे नैना मिलाइके ॥ **3**
छाप तिलक सब छीनी.... ॥

नैना मिलाइके सैना मिलाइके.. सैना मिलाइके ।
बात अगम कह दीनी, रे मोसे नैना मिलाइके ॥ **4**
छाप तिलक सब छीनी.... ॥

हरी हरी चूडियां तो, गोरी गोरी बहियां.. गोरी गोरी बहियां ।
गोरी बहियां पकड़ वर लीनी, रे मोसे नैना मिलाइके ॥ **5**

छाप तिलक सब छीनी रे, मोसे नैना मिलाके ।
मतवाली कर दीनी, मुझसे नैना मिला के ॥

★ ★ ★ ★ ★ ★ ★ ★

21. अर्श की खिलवत भुलाकर

अर्श की खिलवत भुलाकर, आई रूहें आपकी ।
अब ये घबराकर के पूछे, कब हो रवानी धाम की ॥

इश्क के आलम में हमको, क्या ये सूझी थी धनी ।
इस फना की चाह ने, दे दी ये जुदाई आपकी ॥ **1**
अर्श की खिलवत भुलाकर.....॥

एक पल बीता ना गुजरा, आप से बिछुड़े हुए ।
जल्दी थामा हाथ मेरा, है खुदाई आपकी ॥ **2**
अर्श की खिलवत भुलाकर....॥

वारी जाऊं अब उन रुहों पर, जिनके आशिक़ आप हैं।
चरण रज उनकी मैं चाहूं, जिन से निसबत आपकी ॥ **3**
अर्श की खिलवत भुलाकर....॥

बख्श दो पिया सब खताऐं , ले चलो अब ले चलो।
कुछ नहीं मुश्किल अब ले चलना, मेहर हो जब आपकी ॥ **4**

अर्श की खिलवत भुलाकर, आई रूहें आपकी।
अभी ये घबराकर के पूछे, कब हो रवानी धाम की ॥

★ ★ ★ ★ ★ ★ ★ ★

22. तुम्हें पाके हमने जहां पा लिया है

तुम्हें पाके हमने जहां पा लिया है।
जमी तो जमी आसमां पा लिया है ॥

जला ना सकेंगी जिन्हें बिजलियां भी।
मुकद्दर से ऐसा मंका पा लिया है ॥ **1**
तुम्हें पाके हमने जहां.... ॥

जमाने के गम इश्क में ढल गये हैं।
तुम्हें पाके लाखों दिल खिल गए हैं।
कि अंधेरे ने भी रास्ता पा लिया है ॥ **2**
तुम्हें पाके हमने जहां.... ॥

अन्धेरा हुआ दूर आंखों से कब का।
लिया हाथ में हाथ सतगुरु ने सबका।
ना बिछड़ेंगे अब कारवां है ॥ **3**
तुम्हें पाके हमने जहां.... ॥

करी इश्क ने मंजिलें सब पूरी।
रही कोई भी अब ना चाहत अधूरी।

अमरफल मेरी रुह ने खा लिया है ॥ **4**
तुम्हें पाके हमने जहां पा लिया है.... ॥

★ ★ ★ ★ ★ ★ ★ ★

23. अगर प्रेम की इस दिल में

अगर प्रेम की इस दिल में लगी घात ना होती।
तो सच है श्री राज जी से मुलाकात ना होती॥

सरकार को नजराने में, देता मैं भला क्या।
कुछ पास गुनाहों की, सौगात ना होती ॥ **1**
अगर प्रेम की इस दिल में.... ॥

क्या होते मुखातिब ये, भला मेरी तरफ को।
आंहों में मेरी कशिश की करामात ना होती ॥ **2**
अगर प्रेम की इस दिल में.... ॥

बस दर्द मोहब्बत का है ये सारा तमाशा।
ये दिल में ना होता तो कोई बात ना होती ॥ **3**
अगर प्रेम की इस दिल में.... ॥

दृग बिंदु बताते हैं कि श्रीराज है दिल में।
श्री राज न होते तो यह बरसात ना होती ॥ **4**

अगर प्रेम की इस दिल में लगी घात ना होती।
तो सच है श्री राज जी से मुलाकात ना होती ॥

★ ★ ★ ★ ★ ★ ★ ★

24. लगन तुमसे लगा बैठे

लगन तुमसे लगा बैठे, जो होगा देखा जाएगा।
तुम्हें अपना बना बैठे, जो होगा देखा जाएगा॥

कभी दुनिया से डरते थे, जो चुप चुप याद करते थे।
लो पर्दा हटा बैठे, जो होगा देखा जाएगा ॥ **1**
लगन तुमसे लगा बैठे.....॥
कभी यह ख्याल था दुनिया हमें, बदनाम कर देगी।
शर्म तुमको चढ़ा बैठे, जो होगा देखा जाएगा॥ **2**
लगन तुमसे लगा बैठे जो.... ॥
दीवाने बन गए तेरे नही विषयों की कुछ परवाहे।
ये दिल सब से हटा बैठे, जो होगा देखा जाएगा ॥ **3**
लगन तुमसे लगा बैठे.... ॥
आशिक बन गए तेरे तो फिर दुनिया से क्या मतलब।
द्वारे तेरे आ बैठे, जो होगा देखा जाएगा॥ **4**
लगन तुमसे लगा बैठे.... ॥
शम्मा पर मर मिटे परवां, यहां पर जिस तरह देखो।
तुम ही पर मर मिटे हम भी, जो होगा देखा जाएगा॥ **5**
लगन तुमसे लगा बैठे..... ॥
तुम्हें बस याद करते हैं, सदा फरियाद करते हैं।
अर्ज सुनोगे जब मेरी , समा वह देखा जाएगा॥ **6**
लगन तुमसे लगा बैठे.... ॥
यह दिल खाली पड़ा मेरा, जगह इसमें बहुत कम है।
जगह ये तुमको दे बैठे, जो होगा देखा जाएगा॥ **7**
लगन तुमसे लगा बैठे.....॥

★ ★ ★ ★ ★ ★ ★ ★

25. श्री राज कसम तेरे चरणो की....

श्री राज कसम तेरे चरणों की , हम तुमसे मोहब्बत कर बैठे।

तस्वीर तेरी को जब देखा, मदहोश हुए बेहोश हुए।
देखा जब सुंदर सूरत को, चरणों में झुका हैं सिर बैठे॥ **1**
श्री राज कसम तेरे चरणों.... ॥

हमको रंग दे अपने रंग में , रंगने वाले सुन अरज मेरी।
कुछ खोया भी कुछ पाया भी, तेरे नाम की चर्चा कर बैठे ॥ **2**
श्री राज कसम तेरी सूरत.... ॥

पलकों में छुपा लूं राज तुम्हें, और तन मन धन अर्पण कर दूं।
पकड़ा जब तेरे दामन को, जीवन का सहारा कर बैठे ॥ **3**
श्री राज कसम तेरी सूरत.... ॥

इस दिल के सिवा कुछ पास नहीं, अर्पण तुझको ही क्या मैं करूं।
जब दिल ही तुमको दे बैठे, तो अर्पण फिर मैं तुझको क्या करूं॥ **4**
श्री राज कसम तेरी सूरत की हम तुमसे मोहब्बत कर बैठे.....॥
श्री राज कसम तेरी चरणों की हम तुमसे मोहब्बत कर बैठे.....॥

★ ★ ★ ★ ★ ★ ★ ★

26. सामने बैठकर, ए हजूर आपका दीदार....

सामने बैठकर ,ए हजूर आपका दीदार दीदार दीदार करू।
ना जुदा आप हो ना जुदा मैं रहूं, इकरार इकरार इकरार करूं।।

आपके प्यार की इक नजर तो मिले,आपके दीद की एक झलक तो मिले।
आपके इश्क में अपना रूहें चमन गुलजार गुलजार गुलजार करूं ॥ **1**
सामने बैठ कर ए हजूर....॥

आपके मेहर की एक ये भी अदा, जिक्रे हक में हमें तुम ही रख दे सदा।
अब कोई आरजू ना कोई जुस्तजु , दिलदार दिलदार दिलदार कहूँ ॥ **2**

सामने बैठकर ,ए हजूर.....॥

सजदा ए मारफत में झुकी ही रहूं, राजदां से भला अब और क्या कहूं।
आशिकाने मोहोल की तमन्ना हजूर ,बारबार बारबार बारबार करूं ॥ **3**
सामने बैठकर ,ए हजूर आपका दीदार दीदार दीदार करू।
ना जुदा आप हो ना जुदा मैं रहूं, इकरार इकरार इकरार करूं।।

★ ★ ★ ★ ★ ★ ★ ★

27. अपना बना के तूने एहसान कर दिया है

अपना बना के तूने एहसान कर दिया है.. तेरा ये शुक्रिया है।
तेरा ये शुक्रिया है तेरा ये शुक्रिया है ॥

दुनिया है ऐसा सागर, जिसमें जहर ही भरा है।
नफरत को यह मिटाये, ऐसा ये रास्ता है।
तेरी रहमतों का सागर, मैंने सदा पिया है ॥ **1**
तेरा ये शुक्रिया है तेरा ये....॥

कभी इंम्तहां ना लेना, ऐसी ही बख्सी जाऊं।
बल दे दो प्रीतम इतना, तेरी प्रीत मैं निभाऊं।
तेरी रहमतों ने आकर, मुझको बचा लिया है ॥ **2**
तेरा यह शुकरिया है तेरा ये....॥

क्या थी मैं क्या बनी हूं, यह बात मैं ना भूलूं।
तुमने मुझे बनाया, आखरत में मैं ना भूलूं।
जो कुछ है पास मेरे, तुमने ही तो दिया है ॥ **3**
तेरा ये शुक्रिया है तेरा ये....॥

★ ★ ★ ★ ★ ★ ★ ★

28. पी पास आओ आओ, मेरा दिल उदास है

पी पास आओ आओ, मेरा दिल उदास है।
दो लम्हा बैठ जाओ, मेरा दिल उदास है॥

ऐसा ना हो कि लोग तुम्हें, कुछ से कुछ कहें।
मुंह फेर कर न जाओ, मेरा दिल उदास है॥ **1**
पी पास आओ आओ....॥

है इक तड़पसी आज, निगाहों में दीद की।
चिलमन जरा उठाओ, मेरा दिल उदास है॥ **2**
पी पास आओ आओ....॥

बस एक जाम दीद पिला, दो तुम्हें कसम है।
मर जाऊंगी नहीं तो, मेरा दिल उदास है॥ **3**
पी पास आओ आओ....॥

आ जायेगी क्या घूंट में ही, एक से कमी।
रहने भी दो ले आओ, मेरा दिल उदास है॥ **4**
पी पास आओ आओ....॥

ये मांग नहीं है सदाऐं, दर्दे दिल की है।
अब पी से ही है रुठना , मेरा दिल उदास है॥ **5**
पी पास आओ आओ....॥

क्या वक्त था पिया से, मुलाकात जब हुई।
तब ना उदास मई थी , ना मेरा दिल उदास था ॥ **6**
पी पास आओ आओ....॥

★ ★ ★ ★ ★ ★ ★ ★

29. नजर से मिला करके, नजर चूम लेगे

नजर से मिला करके नजर चूम लेगे, छुपोगे अगर तुम, तुम्हें ढूंढ लेंगे।
न जाने कहां कब किधर चूम लेंगे।
जिधर दिल ने चाहा, उधर ढूंढ लेंगे॥

बला से न सुलझे मेरे दिल की उलझन, कभी तो उठाओगे सरकार चिलमन।
जहां भी मिलोगे न छोडेंगे दामन, तुम्हारी कसम दौड़कर चूम लेंगे॥ **1**
नजर से मिला करके....॥

फलक रास्ता रोकता है तो रोके, जमाना अगर टोकता है तो टोके।
यह सोचा है हमने भी मजबूर होके, तुम्हें जान पर खेलकर चूम लेंगे॥ **2**
नजर से मिला करके....॥

चमकती है सीने में तसवीर उनकी, गला है यह मेरा ओर शमशीर उनकी।
निगाहों में फिरती है तस्वीर उनकी,रुठेंगे गर वह तो.. हम चुम लेगे॥ **3**
नजर से मिला करके....॥

अगर संगे असवद की अजमत है सतगुरु, अगर एक पत्थर की कीमत है सतगुरु।
अगर चूम लेना इबादत है सतगुरु, , तो हम यार का संगेदर चूम लेंगे॥ **4**
नजर से मिला करके....॥

★ ★ ★ ★ ★ ★ ★ ★

30. हो गये जिनपे होना था आशिक हमें

हो गये जिनपे होना था आशिक हमें, अब कोई हुसन वाला नहीं चाहिए ।
जिस नशे की जरूरत थी वह मिल गया, अब कोई और प्याला नहीं चाहिए ॥

जो भटके पड़े हैं अभी खेल में, उनकी आंखों में सपनों की तस्वीर है।
जिस दिए से जले गफलतों का दिया, उस दिये का उजाला नहीं चाहिये॥ **1**
हो गये जिनपे होना था....॥

सोने चांदी के लुकमें मुबारक तुम्हें, खुश्क रोटी हमारी बहुत है हमें।
जहर बन जाए जो आबरु के लिए, हमको ऐसा निवाला नहीं चाहिए॥ **2**
हो गये जिनपे होना था....॥
बातें अब अपनी हद से भी आगे गयी, रात के अम्ल सब खतम कब के हुए।
दिन का वक़्त है अब दिन की बातें करो, रात की बात वाला नहीं चाहिए॥ **3**

हो गये जिनपे होना था आशिक हमें, अब कोई हुसन वाला नहीं चाहिए ।
जिस नशे की जरूरत थी वह मिल गया, अब कोई और प्याला नहीं चाहिए ॥

★ ★ ★ ★ ★ ★ ★ ★

31. सब जहानों में तुझसा ना बढ़कर कोई

सब जहानों में तुझसा ना बढ़कर कोई, तू खुदा है सबका तू सुलतान है।
जिस्म बांया हूं मैं, मेरा दांया है तू, रूह तेरी हूं मैं, तू मेरी जान है।।

अर्सै आला कहूं या परमधाम मैं, राजधानी है इन सब की तेरा वतन।
अल्लाह काबा में तेरी ही चर्चा कही, तू भगवानों का भी भगवान है॥ **1**
सब जहानों में तुझसे ना....॥

आंख ही जब नहीं तुझको देखेंगे क्या, कान भी तो नहीं बात पाएंगे क्या।
सूरदासो की है यह दुनि मंडली, इनका दीन और और ही भगवान है॥ **2**
सब जहानों में तुझसे ना....॥

दिल ही दिल में किया करता बातें तेरी, यह समझता हूं मैं कि अकेला नहीं।
आप नहीं दिखते तो न दीखो हो सनम,हाथ सतगुरु का मेरे गिरेबान है॥ **3**
सब जहानो में तुझसे ना .....॥

★ ★ ★ ★ ★ ★ ★ ★

32. ये कैसी कसक तूने, मेरे दिल को लगा दी है

ये कैसी कसक तूने, मेरे दिल को लगा दी है।
सोचा था यह बुझ जाएगी, तूने और बढ़ा दी है॥

तुमको भी मोहब्बत है, क्यों मुझसे छुपाते हो।
ये बात मुझे तेरी, आंखों ने बता दी है॥ **1**
ये कैसी कसक तूने.....

तुमने तो लाखों की, बिगड़ी को बनाया है।
एक बार जरा कह दो ,अब तेरी बारी है॥ **2**
ये कैसी कसक तूने.....

आंखों ही आँखों में ,जब मुझको बुलाते हो।
तेरी मस्ती भरी आंखें, मेरा चैन चुराती हैं॥ **3**
ये कैसी कसक तूने.....

★★★★★★★★★

33. यूं तो लाखों हसीन हमने देखे

यूं तो लाखों हसीन हमने देखे, तेरे जैसा तो देखा नहीं है ।
आकर खुद देख लो दिल के भीतर, आप से कोई पर्दा नहीं है॥

लाखों बार ही देखा है तुमको, प्यास आंखों की बुझती नहीं है।
फिर भी लगता है मुझको ऐसे, हमने मुद्दत से देखा नहीं है॥ **1**
यूं तो लाखों हसीन हमने देखे .....

यह मोहब्बत नहीं है तो क्या है, यह हकीकत नहीं है तो क्या है।
सबकी आंखों पर पर्दा पड़ा है ,इनकी आंखों पर पर्दा नहीं है॥ **2**
यूं तो लाखों हसीन हमने देखे.....

लोग चलते हैं कांटो से बच कर, मैं बचाती हूं फूलों से दामन।
इस कदर मैंने धोखे हैं खाए, अब किसी का भरोसा नहीं है ॥ **3**
यूं तो लाखो हसीन हमने देखे.....

सोचा यह दिल लगाने से पहले, दुनिया बदनाम कर देगी।
प्यार को जितना चाहे छुपा लो, वह छुपने से छुपता नहीं है ॥ **4**
यूं तो लाखों हसीन हमने देखे, तेरे जैसा तो देखा नहीं है ।
आकर खुद देख लो दिल के भीतर, आप से कोई पर्दा नहीं है ॥

★ ★ ★ ★ ★ ★ ★ ★

34. तेरा सतगुरु करेंगे बेड़ा पार

तेरा सतगुरु करेंगे बेड़ा पार, पर-आतम मेरी काहे को डरे।
काहे को डरे री तू काहे को डरे ॥

खोलो आत्म द्वारे खोलो, साथ साथ गुरु के होलो।
अपनी राह संभार, पर-आतम मेरी काहे को डरे ॥ **1**
तेरा पिया जी करेंगे बेड़ा.....

नैया कर सतगुरु के हवाले, लहर लहर पिया आप संभाले।
आर करें या पार, पर-आतम मेरी काहे को डरे ॥ **2**
तेरा सद्गुरु करेंगे बेड़ा पार.....

सहज किनारा मिल जायेगा, धाम हमारा मिल जाएगा।
है उन्हीं के अख्तियार, पर-आतम मेरी काहे को डरे ॥ **3**
तेरा सद्गुरु करेंगे बेड़ा पार.....

क्या तुझ को विश्वास नहीं है, क्या सतगुरु तेरे पास नहीं है।
अब छोड उन्हीं पर भार, पर-आतम मेरी काहे को डरे ॥ **4**
तेरा सतगुरु करेंगे बेड़ा पार.....

★ ★ ★ ★ ★ ★ ★ ★

॥ श्री राज श्यामा जी सदा सहाय ॥

प्रणाम जी !

श्री राज आत्म कायमी पीठ यूटयूब चैनल